IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मिड–डे–मील कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का अध्ययन।"

भरत कुमार जांगिड़
शोधार्थी (शिक्षा)
मौलाना आजाद विश्वविद्यालय जोधपुर,
बुझावड़ (जोधपुर)
E-mail :- bharatkumar15677@gmail.com

डॉ. (श्रीमती) समीना
शोध पर्यवेक्षिका
निर्देशिका एवं विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय)
मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, जोधपुर
बुझावड़ (जोधपुर)
E-mail :- saminanabi1975@gmail.com

शोध–सारांष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत मिड–डे–मील कार्यक्रम में बच्चों में पोषण वृद्धि हेतु दिये जाना वाले भोजन की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य पढ़ने वाले महत्व का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में जोधपुर शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों का चयन कर विद्यालय में वितरित की जाने वाली भोजन सामग्री की पौष्टिकता एवं गुणवता का अध्ययन किया गया है। निष्कर्ष में पाया गया है कि इस कार्यक्रम में से बच्चों के स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पाया गया। बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ साथ ही बच्चों की स्कूली शिक्षा में भी सुधार पाया गया है। प्रस्तुत शोध हेतु शोधकर्ता ने स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपकरण के रूप में प्रयोग किया गया है।

मुख्य शब्द :– सर्वशिक्षा अभियान, मिड–डे–मील, स्वच्छता, स्वास्थ्य।

प्रस्तावना –

मध्यान्ह भोजन योजना में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का महत्व इसलिए भी है कि यह योजना भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहाँ पर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अधिकांश जनसंख्या गरीब एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करती है। ऐसे बच्चों के लिए सरकार ने सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु एवं बच्चों के पोषण में सुधार लाने एवं कुपोषण से मुक्ति दिलाने हेतु इस योजना के जरिये स्वच्छ एवं स्वास्थ्यवर्धक भोजन की व्यवस्था मिड–डे–मील (एमडीएम) कार्यक्रम में की गई है, जिसमें सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के कक्षा 1 से 8 वीं तक के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

समस्या कथन –

"जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मिड–डे–मील (एमडीएम) कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का अध्ययन।"

अध्ययन का औचित्य –

बच्चों की शारीरिक, मानसिक एवं संज्ञानात्मक अभिवृद्धि के लिए उनका स्वस्थ रहना आवश्यक है जिसके अभाव में बालक का संपूर्ण विकास प्रभावित होता है परिणामस्वरूप उसका शैक्षिक विकास भी प्रभावित होता है। हमारे देश में अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। उनमें से अधिकांश गरीब खेतिहर, पशुपालक एवं दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोग सम्मिलित है। जो अपने बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के अन्तर्गत विद्यालय में दाखिला दिलवाया गया है किन्तु सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से वे अपने बच्चों की शिक्षा निरन्तर नहीं कर पाते हैं जिससे विद्यालय ड्राप आउट की समस्या उत्पन्न हुई। इस समस्या और ऐसी अनेक समस्याओं के रोकथाम के लिए भारतीय सरकार ने वर्ष 1997–98 से मध्यान्ह भोजन योजना को देश के सभी विकास खण्डों में लागू किया गया। प्रारंभ प्रति छात्र तीन किलों अनाज दिया जाता था। वर्ष 2003–04 में प्राथमिक शाला में बच्चों को स्कूल में ही पका–पकाया भोजन दिया जाने लगा। अक्टूबर 2007 में पूर्व प्राथमिक विद्यालय के छात्रों एवं 2008–09 में उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को भी सम्मिलित कर लिया गया है। मिड–डे–मील योजना का उद्देश्य सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में नामांकित कक्षा 1–8वीं तक के प्रत्येक बच्चों को प्रतिदिन कम से कम एक पौष्टिक भोजन (दोपहर का भोजन) गुणवतापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाना एवं उन्हें कुपोषण से मुक्त रखना है। जिससे बालक स्वस्थ जीवन में शैली जी सकें एवं बिमारियों को रोका जा सके।

''जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मिड–डे–मील (एमडीएम) कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य का महत्व'' बताने का प्रयास शोधकर्ता ने इस शोध कार्य में किया है।

अध्ययन के उद्देष्य–

1. जोधपुर शहर की प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का मिड–डे–मील के कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का अध्ययन करना।
2. जोधपुर ग्रामीण की प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का मिड–डे–मील के कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना :–

जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मिड–डे–मील कार्यक्रम में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

अध्ययन का परिसीमन :–

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन जोधपुर जिले तक सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों तक सीमित है।
3. प्रस्तुत शोध में मिड–डे–मील में भोजन की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व का अध्ययन किया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्ष :–

सारणी 01

क्र.सं.	विद्यालय के प्रकार	विद्यालय संख्या
1	प्राथमिक	05
2	उच्च प्राथमिक	05
	योग	10

शोध अध्ययन विधि :–

प्रस्तुत शोध हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण :–

सारणी 02

क्र.सं.	उपकरण का नाम	निर्माता का नाम
1	सवनिर्मित प्रश्नावली	भरत कुमार जाँगिड़

अध्ययन में प्रयुक्त चरों की संक्रियात्मक परिभाषा :–

सर्वषिक्षा अभियान :–

सर्वशिक्षा अभियान (एसएसए) की शुरूआत वर्ष 2001 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने शुरू किया था। इस अभियान का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण के तहत भारतीय संविधान के 86 वें संशोधन कर 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिलाना है।

मिड–डे–मील :– मिड–डे–मील (एमडीएम) योजना सर्वशिक्षा अभियान (एसएसए) के अन्तर्गत आती है जिसका मकसद सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के पोषण स्तर की सुधार कर उन्हें स्वच्छ स्वास्थ्य पूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, उपलब्ध करवाकर उन्हें कुपोषण से बचाना है।

स्वच्छता :– स्वच्छता से तात्पर्य मिड–डे–मील कार्यक्रम के अंतर्गत भोजन की गुणवत्ता भोजन की तैयारी एवं भोजन को परोसने में स्वच्छता का ध्यान रखने से हैं।

स्वास्थ्य :– स्वास्थ्य से तात्पर्य मिड–डे–मील कार्यक्रम के अन्तर्गत भोजन बनाते समय व परोसते समय हाथों एवं बर्तनों की स्वच्छता का ध्यान रखना है ताकि बीमारियों की रोकथाम, स्वास्थ्य सुधार एवं पोषण की मात्रा में वृद्धि की जा सकें।

प्रस्तुत शोध के प्रदत्तों का विष्लेषण एवं व्याख्या :–

सारणी 03

जोधपुर शहर की प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का मिड–डे–मील कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का प्रतिषत

श्रेणी	विद्यालय संख्या	स्वच्छता एवं स्वास्थ्य प्रतिषत
प्राथमिक विद्यालय	05	87.5
उच्च प्राथमिक विद्यालय	05	88.9

उपरोक्त सारणी का अवलोकन करने पर यह मालूम होता है कि प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य में का प्रतिशत क्रमशः 87.5 एवं 88.9 प्रतिशत प्राप्त हुआ। जोधपुर शहर के विद्यालयों में भोजन पकाने की तैयारी, परोसने व बर्तनों की साफ–सफाई का पर्याप्त ध्यान रखा जाता है।

सारणी 04

जोधपुर ग्रामीण की प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का मिड–डे–मील कार्यक्रम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व का प्रतिषत

श्रेणी	विद्यालय संख्या	स्वच्छता एवं स्वास्थ्य प्रतिषत
प्राथमिक विद्यालय	05	80
उच्च प्राथमिक विद्यालय	05	85

उपरोक्त सारणी का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का प्रतिशत क्रमशः 80 एवं 85 प्रतिशत प्राप्त हुआ। जोधपुर के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में भोजन पकाने, परोसने तथा बर्तनों की स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान विकट परिस्थितियों के बावजूद भी रखा जाता है।

सारणी 05

जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मिड–डे–मील कार्यक्रम में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व के प्रतिषत की तुलना

श्रेणी	विद्यालय संख्या	शहरी प्रतिषत	ग्रामीण प्रतिषत
प्राथमिक विद्यालय	05	87.5	80
उच्च प्राथमिक विद्यालय	05	88.9	85

उपरोक्त सारणी का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि जोधपुर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रतिशत में क्रमशः 87.8 एवं 80 प्रतिशत प्राथमिक शहरी एवं ग्रामीण तथा उच्च प्राथमिक शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय में 88.9 एवं 85 प्रतिशत भोजन पकाने, परोसने तथा बर्तनों की स्वच्छता में अधिक अन्तर नहीं पाया गया है। अतः जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिड–डे–मील कार्यक्रम में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व में सार्थक अन्तर नहीं है। परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में मिड–डे–मील के अन्तर्गत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व में कोई अन्तर नहीं पाया गया।

प्रस्तुत शोध का शैक्षिक निहितार्थ :–

1. प्रस्तुत शोध जोधपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करता है। विद्यार्थियों में शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक एवं पोषणात्मक विकास में सहायता प्रदान करता है।
2. प्रस्तुत शोध जोधपुर के ग्रामीण प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्र सुविधा की पहुँच की विकट परिस्थितियों के बावजूद मिड–डे–मील कार्यक्रम के परिणाम स्वरूप बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है।
3. स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का महत्व बिमारियों की रोकथाम, स्वास्थ्य सुधार, पोषणीय मात्रा में वृद्धि एवं बालक–बालिकाओं के स्वास्थ्य में सुधार किया जाता है।
4. बच्चों में स्वच्छता के मानकों में सुधार हेतु हाथों की भोजन पात्रों की, भोजन तैयारी एवं परोसने एवं खाने के स्थान एवं परिस्थितियों को ध्यान में रखने की महत्ती आवश्यकता है। इस और विद्यालय एवं अध्यापकों को जो इस कार्यक्रम का संचालन करते हैं कि जागरूकता की भूमिका महत्वपूर्ण है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कपिल एच. के. (2006); सांख्यिकी के मूल तत्व; आगराः एच.पी.भागर्व बुक हाऊस
2. सुश्री नीलिमा व शिष्ट (2002–03), ''राजकीय प्राथमिक विद्यालय से संचालित पोषाहार योजना का अध्ययन करना।''

https://en.wikipedia.org

https://pmposhan.education.gov.in

https://www.mysheme.gov.in

https://www.ibef.org

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation